दैनिक भास्कर 04 Apr, 2021 Lucknow - 04 Apr 2021 - Page 6

परदेश में बढ़ रही बॉलीवुड की लोकप्रियता

गीतांजलि सक्सेना

प्रतिभा / दर्शन

बॉलीवुड का जादू दुनियाभर में सर चढ़ कर बोल रहा है। विदेशों में हिन्दुस्तानी सिनेमा अपनी पकड़ मजबूत करने में हमेशा कामयाब रहा है। याद करें विदेशों में राजकपूर की फिल्मों के प्रदर्शन का दौर और चर्चित गीतों की धुनें, तो आज भी उन गीतों की यादें हमें गुनगुनाने पर मजबूर कर देंगी। सिनेमा और इसकी प्रसिद्धि को कोई समय और काल सीमित ही नहीं कर पाया। कोविड में सिनेमाघरों का बंद हो जाते ही इस इंडस्ट्रीज से जुड़े कलाकार भी कोरोना के प्रकोप से नहीं बच पाये। लॉकडाउन के दौरान भी सिनेमा मौज, मस्ती व मनोरंजक का एकमात्र साधन बना रहा। टीवी पर एक से बढ़ कर एक अच्छी फिल्मों का तांता लग गया, जिसका आनंद देश विदेश के सभी लोग अपने घरों में बैठकर लेते रहें।

विदेशी जमीनों पर हिन्दी सिनेमा और भारतीय कलाकारों की दिन दुगनी और रात चौगुनी लोकप्रियता को न केवल हमें एक देश के रूप में गौरवान्वित महसूस कराता है, बल्कि देश की संस्कृति और कला के क्षेत्र से जुड़े निर्माताओं को अपनी भावनाओं व प्रतिभा को दर्शाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मंच भी प्रदान करता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि सिनेमा अभिव्यक्ति का वह रूप है, जिसके माध्यम से सामाजिक व वैश्विक मोर्चे को विश्व स्तर पर दर्शकों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। केवल ये ही नहीं, दरअसल, यही हमें गुणवत्ता सिनेमा की दिशा की ओर प्रेरित करता हुआ दुनियाभर के लोगों से जोड़ता भी है। यहाँ इस बात का खास ध्यान दिया जाना चाहिए कि देश की छवि पर कोई आंच न आये। ऐसे में यदि यह कहें कि हर परिस्थिति के नकारात्मक पहलुओं या कमजोरियों पर किसी का कटाक्ष या टिप्पणी हमें शोभा नहीं देता, तो शायद गलत नहीं होगा।

दरअसल, एक सच यह भी है कि बॉलीवुड के कलाकारों को दुनियाभर के लोग पसंद करते हैं। कई देशों में भारतीय कलाकारों के प्रति लगाव, सम्मान या पागलपन को न केवल समझा, बल्कि देखा भी जा सकता है। इन देशों की सूची में निरन्तर वृद्धि देखी जा सकती है। कभी कभी ऐसा भी हमें देखने को मिला कि कई देशों में बॉलीवुड पिक्चर्स की अत्यंत लोकप्रियता के कारण और स्थानीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी उठाई जाती रही है, किन्तु वे सभी मांग असफल ही रहीं।

हम सब यह भी जानते हैं कि अनेक देशों में बॉलीवुड की बहुचर्चित फिल्मों को न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए, बल्कि उस देश के दर्शकों के लिए भी उन्हीं की भाषाओं में डब कर के दिखाया जाता है, जिन्हें बेहद पसंद की जाती आ रही हैं। यही नहीं, बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन का रिकार्ड बनाते देखा है। बॉलीवुड कलाकारों की दीवानगी देश में ही नहीं, दुनियाभर में देखने को मिलती है। आश्चर्य की बात तो ये ही है कि कई देशों में अपने पसंदीदा कलाकारों का जन्मदिन मनाते और पूजा करते हुए भी हम उन देशों के लोगों को देख सकते हैं।

विदेशी जमीनों पर हिन्दी सिनेमा और भारतीय कलाकारों की दिन दुगनी और रात चौगुनी लोकप्रियता को न केवल हमें एक देश के रूप में गौरवान्वित महसूस कराता है, बल्कि देश की संस्कृति और कला के क्षेत्र से जुड़े निर्माताओं को अपनी भावनाओं व प्रतिभा को दर्शाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मंच भी प्रदान करता है।

सिनेमा अभिव्यक्ति का वह रूप है, जिसके माध्यम से सामाजिक व वैश्विक मोर्चे को विश्व स्तर पर दर्शकों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है।

हिन्दी सिनेमा और गानों की लोकप्रियता को आंकना सोशल मीडिया के सौजन्य से बहुत ही सरल व स्पष्ट हो जाता है। हम अक्सर विदेशी प्रशंसकों को हिन्दी फिल्मी गीतों पर थिरकते हुए देख सकते हैं। यही नहीं, उनके सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी बॉलीवुड की झलक नृत्यों के जरिये दर्शाया जाने का प्रचलन है। एक विदेशी महिला को साड़ी पहने स्टेज पर देशी धुन पर परफॉर्म करते देखना सुखद अनुभूति का अहसास होता है।

संयुक्त अरब अमीरात में, जब जिक्र दुबई का हो, तब तो भारतीय सिनेमा और बॉलीवुड कलाकारों की चर्चा के बिना कोई दुबई में रह ही नहीं सकता। अन्य देशों के मुकाबले दुबई मे सबसे ज्यादा हिंदी और दूसरी भारतीय भाषा की फिल्में देखी जाती है। इसका मुख्य कारण भारतीय समुदाय की संख्या अन्य देशों के प्रवासियों से अधिक है। भारत से नजदीक होने और अमीरीतियों का बॉलीवुड फिल्मों में रुचि होने की वजह से हिन्दुस्तानी फिल्मों का डंका बज रहा है। इतना ही नहीं, इस देश में रहने वाले भारतीयों को अपनी संस्कृति और कला से जुड़े रहने की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त है। दरअसल, यह देश भारतीय कलाकारों को अपनी कला को प्रदर्शन करने के लिए एक सुरक्षित प्लेटफॉर्म की सुविधाएं मुहैया कराने में कभी पीछे नहीं हटता। दुबई हमेशा से बॉलीवुड की फिल्मों की शूटिंग, कलाकारों की शॉपिंग और लॉइव शोज के लिए चर्चित प्लेस रही है।

दुबई स्थित राजमहल थियेटर पार्क विदेश में अपनी तरह का पहला और बेहद चर्चित पार्क है। यदि यह कहें कि यह पार्क बॉलीवुड के क्रेज को दर्शाता है, तो शायद गलत नहीं होगा। भारतीय कलाकारों को देखने का नशा किस कदर यहां के लोगों के दिल और जेहन में रमा बसा हुआ है, इसका अहसास एक शाम अपने परिजनों के साथ इस पार्क में उपलब्ध फिल्मी गतिविधियों के साथ बॉलीवुड की दुनिया की सैर के दौरान किया जा सकता है।

अपनी पांचवीं वर्षगांठ को मनाते हुए उसी धूम धड़ाके से भरपूर बॉलीवुड मनोरंजन से भरा सम्पूर्ण पैकेज है हिंदी फिल्मों से प्रेरित सिनेमा, रोमांचक आकर्षणों और लाइव ब्राडवे शैली के शोज आदि का आनंद उठाया जा सकता है। पार्क को जोन में बांटने का मकसद है कि हर एक जोन में मस्ती व आनंद से भरे विभिन्नता लिये एक आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मुंबई चौक में वहाँ की सड़कों, गली गलियारों की झलक देखने को मिलती है। वहां के प्रसिद्ध व्यंजनों से लदे पारम्परिक ठेले देश की याद दिलाते है। यही खुले मंच पर कई दशकों के प्रसिद्ध गीत और नृत्य प्रदर्शन पुरानी यादों को तरोताजा कर देता है। संगीत और नृत्य शैलियों के विभिन्न स्वरूपों, चाहे वह कथकली से लेकर भांगड़ा और गरबा हो, फिल्मी गानों पर टक्कर देते नर्तकों की टोली का नृत्य रोमांचक करता है।

रॉयल प्रलाजाय राजमहल, बॉलीवुड संगीत का प्रमुख आकर्षण का केंद्र है। 850 सीटों का थियेटर में बॉलीवुड पर आधारित बॉडवे शैली में संगीतमय नृत्य प्रस्तुति देखने योग्य है।

बॉलीवुड फिल्म स्टूडियो में हिन्दी फिल्मों के निर्माण के दौरान पर्दे के पीछे की जादुई तकनीक का भेद जानना आश्चर्य करता है। यही नहीं ग्रामीण भारत को दर्शाता हुआ सदाबहार फिल्में लगान और शोले के शो दिलचस्प हैं। इसके अतिरिक्त दिल दहला देने वाले देश को विदेशी आक्रमण से बचाने वाले उड़ी शो देख कर वास्तव में पैसा वसूल हो जाता है। विदेश में बॉलीवुड की बढ़ती लोकप्रियता का श्रेय बादशाह, दबंग और मिस्टर परफेक्शनिस्ट की ओर इशारा करता है।

बॉलीवुड की जादुई छड़ी पर अधिक गर्व महसूस करने को दिल करता है। एक विदेशी महिला प्रशंसक ने कहा कि भारतीय सिनेमा हर रंग, भावनाएं और स्वतंत्रता के साथ नारीत्व को व्यक्त करने की अनुमति देता है। उन्होंने माना कि देश के सभी कोने से विविध संस्कृतियों के रंगों का आनंद व अनुभव उल्लेखनीय है और हमेशा उल्लेखनीय रहेगा।

(वरिष्ठ लेखिका और स्तम्भकार)